ब्रह्मोस यूनिट के उद्घाटन में CM ने कहा-रक्षा कार्यक्रमों के लिए जितनी जमीन चाहिए, यूपी मदद करेगा

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता में यूपी योगदान को तैयार : योगी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

सीएम योगी ने कहा है कि यूपी देश की रक्षा उत्पादन की आत्मनिर्भरता में अपना योगदान देने में पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। यहां पर अभी डीआरडीओ को या फिर ब्रह्मोस जैसे रक्षा उत्पादन से जुड़े अन्य कार्यक्रमों के लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता पड़ेगी, सरकार पहले की तरह इसमें भरपूर मदद करेगी।

योगी रविवार को सरोजनीनगर स्थित डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड में ब्रह्मोस यूनिट के उद्घाटन में मौजूद थे। उन्हें ब्रह्मोस मिसाइल की प्रतिकृति भी भेंट की गई। सीएम ने कहा कि पहले कंपनियों को यूपी आने में समस्या होती थी, क्योंकि पॉलिसी नहीं थी, सुरक्षा का अभाव था। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं तो पूंजी कहां सुरक्षित रहने वाली है। आज व्यक्ति भी सुरक्षित है, पूंजी भी सुरक्षित है और देश की सुरक्षा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी हम मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है प्रदेश

योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। बीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। प्रदेश के अंदर डिफेंस कॉरिडोर के जो 6 नोड विकसित हो रहे हैं, इन पर हमारा कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। कानपुर में रक्षा सेनाओं के लिए गोला-बारूद केंद्र का उत्पादन शुरू हो चुका है। लखनऊ में ब्रह्मोस को जैसे ही 200 एकड़ भूमि दी गई, पीटीसी भी यहां पर आया। यहां ब्रह्मोस से जुड़ी हुई लगभग 7 एंकर यूनिट लग रही हैं। भारत का आज रक्षा उत्पादन व निर्यात कई गुना बढ़ा है। यूपी में डिफेंस एक्सपो के साथ ही देश और दुनिया के अलग-अलग भागों से 57 एमओयू हो चुके हैं। इसके माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ का निवेश हो रहा। लगभग 60 हजार नौजवानों को हम लोग नौकरी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे और रक्षा उत्पादन पर आधारित पुस्तिका 'ब्रह्मांड' का विमोचन भी किया।

इन निर्माण इकाइयों का भी शिलान्यास

एयरोस्पेस प्रिसीजन कास्टिंग प्लांट : यहां जेट इंजन और एयरक्राफ्ट सिस्टम के लिए प्रिसीजन कंपोनेंट बनेंगे

एयरोस्पेस फोर्ज शॉप एंड मिल प्रॉडेक्ट्स प्लांट : इसमें टाइटेनियम व सुपर एलॉय से बने बार्स, रॉड्स और शीट्स बनाए जाएंगे

एयरोस्पेस प्रिसीजन मशीनिंग शॉप : जेट इंजन के सूक्ष्मतम स्तर पर घटकों की मशीनिंग होगी

स्ट्रैटेजिक पाउडर मेटलर्जी फैसिलिटी : स्वदेशी तकनीक से टाइटेनियम और सुपर एलॉय मेटल पाउडर का निर्माण होगा।

'स्ट्राइड अकेडमी' : युवाओं को रक्षा और एयरोस्पेस तकनीक की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाएगी।

दुनिया का शीर्ष रक्षा उत्पादन केंद्र बने यूपी : राजनाथ

कार्यक्रम में वर्चुअल जुड़े रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह दिन 1998 में पोकरण में हुए परमाणु परीक्षण की याद दिलाता है, जब अटल विहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपनी सामरिक ताकत का प्रदर्शन किया था। रक्षामंत्री ने बताया कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी परियोजना का शिलान्यास उन्होंने स्वयं किया था और सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे मात्र 40 महीनों में पूरा कर दिखाया है। मैंने अपने लखनऊ को लेकर सपना देखा था कि मेरा शहर भारत के डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में योगदान दे। वह सपना अब पूरा हो रहा है। डिफेंस

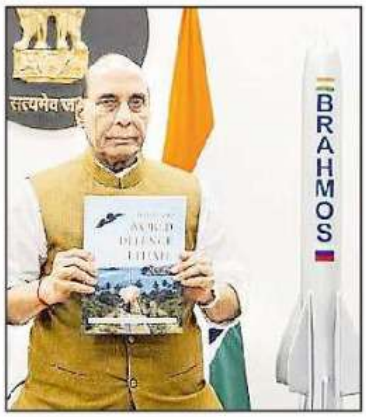

कॉरिडोर में विमान निर्माण, यूएवी, ड्रोन, गोला-बारूद, कंपोजिट सामग्री, छोटे हथियार, टेक्सटाइल और पैराशूट जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश किए गए हैं। हमारा सपना है कि यूपी दुनिया के शीर्ष रक्षा उत्पादन केंद्रों में से एक के रूप में जाना जाए।

ब्रह्मोस भारत और रूस की उच्च रक्षा प्रौद्योगिकी का संगम : राजनाथ ने कहा कि आज के दौर में सिविल और रक्षा क्षेत्रों में तकनीकी क्रांति तेजी से बदलाव ला रही है। ब्रह्मोस भारत और रूस की उच्च रक्षा प्रौद्योगिकी का संगम है। जैसे यूपी में प्रयाग अपने संगम के लिए दुनिया में जाना जाता है, वैसे ही लखनऊ तकनीकी के संगम के रूप में स्थापित होने जा रहा है। यह सुविधा रोजगार के अवसर पैदा करेगी और छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को मजबूती देगी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक सहित कई मंत्री, अधिकारी मौजूद रहे।

डिफेंस कॉरिडोर में 7 कंपनियों ने शुरू किया उत्पादन

■ **NBT** रिपोर्ट, लखनऊ : ग्रीस की राजधानी एथेंस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रक्षा एवं एयरोस्पेस प्रदर्शनी (DEFEA-2025) में BAE Systems, Raemetrics S.A., Bootech, Lesjfors, Lockheed Martin और MSG Group जैसी कंपनियों ने यूपी में निवेश की इच्छा जताई। इस दौरान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने इन कंपनियों के प्रतिनिधियों मुलाकात कर निवेश पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही भी शामिल थे। बीते चार वर्षों में डिफेंस कॉरिडोर में 57 रक्षा कंपनियां अपने प्लांट लगा रहीं हैं, जिनमें से सात ने उत्पादन शुरू कर दिया है। कॉरिडोर का निर्माण झांसी, कानपुर, चित्रकूट, अलीगढ़, लखनऊ और आगरा नोड्स में हो रहा है।